RNI No.- MPHIN/2020/79860

मासिक

आजाद बोल

वर्ष : 5 अंक : 12 | इन्दौर, 15 नवम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपए

योगी सरकार ने नारी शक्ति को दिया कवच

रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं को मिलेगा बड़ा फायदा

लखनऊ। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सुधार के तहत, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने एक राजपत्रित आदेश जारी किया है, जिसके तहत महिलाओं को शाम 7:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक रात्रि पाली में काम करने की अनुमति दी गई है। लैंगिक समानता की दिशा में एक प्रगतिशील कदम माने जा रहे इस कदम के तहत, महिलाओं को औपचारिक सहमति देने पर देर रात तक काम करने की अनुमति दी गई है।

सरकार का आदेश महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक मज़बूत ढाँचा तैयार करता है। नियोक्ताओं को कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराने होंगे, जिनमें सीसीटीवी निगरानी, महिला सुरक्षा गार्ड और रात्रि पाली में काम करने वाली महिलाओं के लिए समर्पित परिवहन सुविधाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अब महिलाओं को इन घंटों के दौरान किए गए काम के लिए दोगुना वेतन मिलेगा। यह आदेश महिला कर्मचारियों को सप्ताह में छह दिन तक काम करने की अनुमति देता है, जिससे शिफ्ट और कार्यभार पर पहले से लागू प्रतिबंधों में विस्तार होता है।

भाजपा ही दे सकती है सुशासन की गारंटी-मिथुन

भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो शासन दे सकती है और इसलिए उसे बिहार विधानसभा चुनावों में भी सत्ता में आना चाहिए।

भाजपा नेता ने एएनआई से कहा कि जिस तरह से मतदान हुआ है, भाजपा बहुमत से जीतेगी। भाजपा को बिहार में भी सत्ता में आना चाहिए क्योंकि यही एकमात्र पार्टी है जो सुशासन दे सकती है। मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि हम इस राज्य में किसी के खिलाफ नहीं हैं। वे अफ़वाहें फैलाकर और लोगों को डराकर कुछ करना चाहते हैं।

बिहार के नतीजों पर शशि थरूर का चौंकाने वाला बयान

हार के लिए कांग्रेस नहीं आरजेडी जिम्मेदार!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बिहार चुनाव परिणाम को 'गंभीर रूप से निराशाजनक' बताया और कहा कि इस परिणाम पर 'बहुत गंभीर आत्मनिरीक्षण' की आवश्यकता है। बिहार चुनाव नतीजों में नीतीश कुमार की एनडीए को भारी समर्थन मिला, जिसने 198 सीटें हासिल कीं, जबकि महागठबंधन को 39 सीटें मिलीं। भाजपा 89 सीटों के साथ राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से चुनावी नतीजों पर बात करते हुए थरूर ने कहा कि यह बिल्कुल साफ़ है कि एनडीए को भारी बढ़त मिल रही है। यह वाकई बेहद निराशाजनक है, और अगर यही अंतिम नतीजे निकलते हैं, तो याद रखिए कि यह अभी अंतिम घोषित नतीजे नहीं हैं। थरूर ने यह भी कहा कि कांग्रेस इस गठबंधन की वरिष्ठ पार्टी नहीं थी, इसलिए राजद को भी अपने प्रदर्शन पर गंभीरता से नजर डालनी होगी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि पार्टी को यह अध्ययन करने की ज़रूरत है कि क्या ग़लतियाँ हुईं और रणनीतिक व संगठनात्मक ग़लतियाँ क्या थीं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत गंभीर आत्मनिरीक्षण करना होगा, और मेरा मतलब सिर्फ़ आत्मनिरीक्षण, बैठकर सोचना नहीं है, बल्कि यह भी अध्ययन करना है कि क्या ग़लतियाँ हुईं, रणनीतिक, संदेशात्मक या संगठनात्मक ग़लतियाँ क्या थीं। थरूर ने यह भी कहा कि उन्हें बिहार में प्रचार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था, इसलिए वह प्रत्यक्ष जानकारी नहीं दे सकते।

भाजपा ममता बनर्जी का जंगल राज उखाड़ फेंकेगी : प्रधानमंत्री का बड़ा संदेश

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिले भारी जनादेश की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल से 'जंगलराज' को उखाड़ फेंकने का शुक्रवार को संकल्प लिया और कहा कि जिस तरह गंगा नदी बिहार से होकर बंगाल में बहती है, उसी तरह इस जीत ने वहां भी भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया है। यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित धन्यवाद समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने अन्य चुनावी राज्यों पर भी नजर रखते हुए कहा कि बिहार में मिली भारी जीत ने केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम और पश्चिम बंगाल के पार्टी कार्यकर्ताओं में नयी ऊर्जा का संचार किया है। उन्होंने कहा, ''बिहार की जीत ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया है। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके समर्थन से भाजपा इस राज्य में भी 'जंगल राज' का खात्मा करेगी।''

जश्न के दौरान मौजूद हज़ारों पार्टी कार्यकर्ताओं की ज़ोरदार जयकार के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 'गंगा बिहार से होकर बंगाल पहुँचती है। बिहार ने बंगाल में भी भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया है। मैं बंगाल के भाइयों और बहनों को भी बधाई देता हूँ। अब, आपके साथ मिलकर, भाजपा पश्चिम बंगाल से भी जंगल राज को उखाड़ फेंकेगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा की 293 सीटों के लिए 2026 में होने वाले चुनाव के मद्देनजर, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच महिला सुरक्षा, कानून-व्यवस्था की स्थिति, बांग्लादेश से घुसपैठ और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर टकराव की संभावना है।

अगले साल होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विशेष महत्व है क्योंकि इसका उद्देश्य मतदाता सूची से अवैध मतदाताओं को बाहर निकालना है, जो राज्य में दोनों प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच विवाद का विषय बन गया है।

गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर 1.0 सफलतापूर्वक चलाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की मतदाता सूची से लगभग 65 लाख फर्जी मतदाताओं को हटाया गया था। महागठबंधन ने इस अभियान का कड़ा विरोध किया था और आरोप लगाया था कि यह जानबूझकर उनके समर्थक मतदाताओं को निशाना बना रहा है।

बिहार में तीसरी बार फिर एनडीए सरकार-चला सीएम का जादू

भोपाल। (अंजली कृष्णा) मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बिहार विधानसभा चुनाव में जबरदस्त जादू चला। वे जहां-जहां प्रचार और सभाएं करने के लिए गए, अधिकांश सीटें भाजपा और उसके सहयोगी दल वहां जीत दर्ज की हैं।

सीएम द्वारा 25 विधानसभा क्षेत्र में प्रचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रचार के लिए 25 विधानसभा क्षेत्रों में गए थे। जहां से भाजपा और एनडीए 22 सीटों पर आगे चली। मुख्यमंत्री ने यहां पर 16 अक्टूबर से प्रचार शुरू किया था और आखिरी सभा उन्होंने 9 नवंबर की की। बिहार नतीजों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के रुझान वास्तव में उत्साह वर्धन करने वाले है।

2014 के बाद नए प्रकार की विकास परख राजनीति का दौर-बोले सीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने 2014 के बाद नए प्रकार की विकासपरक राजनीति का दौर देखा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक-एक करके तीनों लोकसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुत मिला। कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनता दल को डुबाने का काम किया। भाजपा ने दिल्ली में भी अपनी सरकार बनाई है। उसी सिलसिले को जारी रखते हुए तीसरी बार बिहार में फिर एनडीए सरकार आई है।

कांग्रेस ने राजद को डुबाने का काम किया-डॉ. यादव

हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और अब बिहार यह बता रहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की लहर चल रही है। तथाकथित कांग्रेस और उनके गठबंधन के दलों की जो कुव्यवस्थाएं हैं। उन्हें देखकर जनता अपना मन बना चुकी है और एनडीए के साथ विकास के साथ कदम से कम मिला करके आगे बढ़ना चाहती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल देश के विकास बल्कि देश की सुरक्षा के लिए जो नीतियां लागू की है, वह वाकई हम सभी का मनोबल बढ़ाने वाली है।

एनडीए की जीत का मनाया गया जश्न

उन्होंने बिहार में जीत की और बढ़ते एनडीए गठबंधन के साथियों और प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा सहित सभी सहयोगियों को बधाई दी। एनडीए गठबंधन ने 200 से ऊपर सीटे जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा को 85 सीटें मिली हैं, जो अपने आप में रिकॉर्ड है।

पीएम मोदी गमछा लहराते हुए पहुंचे भाजपा मुख्यालय

इसी दौरान पीएम मोदी ने दिल्ली स्थित बीजेपी हेडक्वार्टर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। मोदी जैसे ही भाजपा मुख्यालय पहुंचे, कार्यकर्ताओं का जोश हाई हो गया। मोदी-मोदी के नारे लगने लगे... पीएम भी कॉरिडोर से लेकर मंच तक गमछा हिलाते पहुंचे। पीएम को देख कैंपस में मौजूद हर कार्यकर्ता गमछा लहराने लगे।

पीएम मोदी भाषण में बोले-बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया

इस मौके पर पीएम ने 42 मिनट के भाषण में कहा कि, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, पश्चिम बंगाल, केरल तमिलनाडु चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा सरकार बनाएगी।

नीतीश-मोदी गठजोड़ की जीत

'बिहार विधानसभा चुनाव के ताज़ा परिणामों ने राज्य की राजनीति में एक बार फिर बड़ा संकेत दे दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिली सफलता ने न केवल सत्ता की निरंतरता सुनिश्चित की है, बल्कि यह भी साबित किया है कि बिहार का मतदाता स्थिरता, योजनाओं के धरातली असर और नेतृत्व के भरोसे को प्राथमिकता देता है। इस चुनाव में महागठबंधन को मिली हार, विशेषकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व को लेकर उठे सवाल, आने वाले समय में विपक्ष की रणनीति और उसकी कार्यशैली को नए सिरे से परिभाषित करेंगे।'

श्याम यादव

मतदान और प्रचार के दौरान जिन मुद्दों ने बार-बार चर्चा बटोरी, उनमें से सबसे प्रमुख था नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के लिए एक हज़ार रुपये प्रतिमाह की सहायता योजना का वादा। यह योजना ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं के बीच बेहद लोकप्रिय रही। बिहार में लंबे समय से महिलाओं की भागीदारी, स्वयं सहायता समूहों की मजबूती और साइकिल-पोशाक जैसी योजनाओं से महिलाओं को मिले लाभ की पृष्ठभूमि ने इस घोषणा के प्रभाव को और बढ़ा दिया। यह साफ दिखाई दिया कि महिला मतदाता नीतीश कुमार की ओर एक स्थिर और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में देख रही थीं।

एनडीए के प्रचार का दूसरा आधार था केंद्र की योजनाओं का व्यापक लाभ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता बिहार जैसे राज्यों में अभी भी एक निर्णायक फैक्टर है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, हर घर जल, मुफ्त राशन और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष असर वोटिंग पैटर्न में झलकता है। बीजेपी ने अपने कोर वोटर्स को मजबूती से साधे रखा और जदयू के साथ तालमेल ने सामाजिक समीकरणों को संतुलित बनाया।

दूसरी ओर, महागठबंधन अपने मुद्दों को व्यापक जनमानस तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँचा सका। कांग्रेस की कमज़ोर संगठनात्मक स्थिति और नेतृत्व की अनुपस्थिति अक्सर बिहार जैसे चुनावों में निर्णायक बन जाती है। राहुल गांधी की रैलियों के बावजूद कांग्रेस कोई अतिरिक्त लाभ अर्जित नहीं कर सकी। तेजस्वी यादव, जो पिछली बार बेरोजगारी मुद्दे पर बड़ी जनाधार वाली छवि बना चुके थे, इस बार वह गति दोबारा पैदा नहीं कर पाए। महागठबंधन का प्रचार जमकर हुआ, लेकिन उसका असर सीमित रहा।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के मतदाता बार-बार बदलाव की बजाय स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं। नीतीश कुमार का प्रशासनिक रिकॉर्ड, उनके द्वारा सामाजिक न्याय और विकास के मिश्रित मॉडल को आगे बढ़ाने के प्रयास, और केंद्र के साथ तालमेल ने चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाई। नीतीश कुमार भले ही राजनीतिक उतार-चढ़ाव के लिए जाने जाते हैं, लेकिन शासन की निरंतरता और योजनाओं की विश्वसनीयता उनकी सबसे बड़ी पूंजी बनी हुई है।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव परिणाम बड़ा झटका है। राहुल गांधी अब लगातार कई राज्यों में नेतृत्व की चुनौती झेल रहे हैं। संगठनात्मक मज़बूती, स्थानीय नेताओं के साथ तालमेल और निरंतर सक्रियता—ये तीन पहलू कांग्रेस के लिए लंबे समय से कमज़ोर रहे हैं। बिहार का यह परिणाम पार्टी को एक बार फिर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की मजबूरी देगा। तेजस्वी यादव के लिए चुनौती दोहरी है। वह युवा हैं, ऊर्जा रखते हैं, लेकिन जनमानस को अपनी विश्वसनीयता के प्रति पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर पा रहे।

अब प्रश्न यह है कि इन परिणामों का आगे क्या असर होगा। एनडीए के लिए यह जीत 2025 के बाद की राजनीति के लिए आधार मजबूत करेगी। बीजेपी अपने संगठन को और विस्तार देगी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ उसका प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से कमज़ोर रहा। जदयू के लिए यह मौका है कि वह प्रशासनिक सुधारों, शराबबंदी नीति की समीक्षा, रोजगार के विकल्प और उद्योग–शिक्षा क्षेत्र में ठोस पहल करते हुए अपनी राजनीतिक ज़मीन और मजबूत करे। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषित योजना को लागू करना जदयू के लिए आने वाले महीनों में सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

महागठबंधन के लिए यह हार एक संकेत भी है और चुनौती भी। कांग्रेस को बिहार में पुनः खड़ा होने के लिए स्थानीय नेतृत्व विकसित करना होगा। यदि पार्टी संगठनात्मक धरातल पर बदलाव नहीं करती, तो राज्य की राजनीति में उसकी भूमिका सीमित होती जाएगी। आरजेडी को भी यह समझना होगा कि केवल सामाजिक समीकरणों पर आधारित राजनीति अब पर्याप्त नहीं रह गई है। युवाओं के लिए रोजगार, सुशासन, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और विकास की ठोस योजनाओं पर बेहतर तैयारी और स्पष्टता के साथ सामने आने की आवश्यकता होगी।

चुनाव परिणाम बिहार की बदलती राजनीतिक सोच का एक और उदाहरण हैं। मतदाता अब योजनाओं की विश्वसनीयता, दैनिक जीवन पर पड़ने वाले सीधे प्रभाव और नेतृत्व की स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस माहौल में नीतीश–मोदी की जोड़ी ने मतदाता को एक भरोसेमंद विकल्प दिया, जबकि विपक्ष मतदाता को उतने स्पष्ट विकल्प नहीं दे पाया। आने वाले महीनों में बिहार की राजनीति और अधिक परिपक्व दिखाई देगी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि जनादेश केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि ज़मीन पर काम करने की व्यापक जिम्मेदारी भी सौंपता है। वहीं विपक्ष को यह मानना होगा कि अब केवल भावनात्मक भाषण या जातीय समीकरण चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त नहीं रह गए हैं। बिहार का मतदाता बदला है, उसकी अपेक्षाएँ बदली हैं और राजनीति को भी बदलना होगा।

यह चुनाव बिहार में राजनीतिक स्थिरता, महिला सशक्तिकरण और योजनाओं की विश्वसनीयता की जीत है। यह एक संदेश भी है कि बड़े वादों से ज्यादा, छोटे लेकिन नियमित और भरोसेमंद कदम ही जनमानस में अपनी जगह बनाते हैं। बिहार का यह परिणाम आने वाले राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि बीजेपी और जदयू की यह जीत 2026 और 2029 की तैयारियों का मजबूत आधार बन सकती है।

इतना सन्नाटा क्यों है भाई! आखिर राहुल गांधी कहां हैं?

कांग्रेस एक बार फिर फ्लॉप शो में रही। इस बार हार देश के सबसे राजनीतिक रूप से परिपक्व राज्य बिहार में हुई। लेकिन इस पराजय के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसी अफवाहें थीं कि उन्हें आखिरी बार अपनी भतीजी, प्रियंका गांधी वाड्रा की बेटी मिराया वाड्रा के साथ लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर देखा गया था। लेकिन कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और रागिनी नायक ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि राहुल और उनकी भतीजी का वायरल वीडियो सितंबर का है। तो फिर, बिहार में कांग्रेस का मुख्य चेहरा माने जाने वाले विपक्ष के नेता आखिर कहां हैं? अफ़वाहें थीं कि वह लंदन या मस्कट के लिए रवाना हो गए हैं। लेकिन फ़ैक्ट-चेक साइट न्यूज़मीटर के अनुसार, कांग्रेस या किसी विश्वसनीय मीडिया संस्थान की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है जो राहुल गांधी के लंदन या मध्य पूर्व जाने की पुष्टि करता हो।

फ़िलहाल, किसी को भी पता नहीं है कि जनरल कहाँ हैं जबकि उनकी सेना लड़खड़ा रही है। शुक्रवार को चुनाव परिणाम आने पर, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने कहा, 'जब तक राहुल गांधी विदेश में किसी दूसरे टाइम ज़ोन में जागेंगे, तब तक एनडीए यहाँ ट्रॉफी उठा चुका होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी विदेश में हैं, लेकिन अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले निकाली गई 'वोटर अधिकार यात्रा' बेअसर साबित हुई है क्योंकि यह यात्रा जिन क्षेत्रों से होकर गुजरी वहां भी प्रदेश के अन्य हिस्सों की तरह महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में बीते 17 अगस्त को रोहतास जिले के सासाराम से शुरू हुई यह यात्रा कथित वोट चोरी और मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ थी। यह यात्रा रोहतास, औरंगाबाद, गयाजी, नवादा, शेखपुरा, नालंदा, लखीसराय, मुंगेर, कटिहार, पूर्णिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर और कुछ अन्य क्षेत्रों से गुजरी थी। यात्रा की शुरुआत जिस सासाराम में हुई थी, वहां महागठबंधन को हार का सामना करना पड़ा। सासाराम विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय लोक मोर्चा की स्नेहलता ने राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार सतेंद्र शाह को पराजित किया।

मोदी के 'हनुमान' ने कैसे मचाया बिहार में तहलका! बनेंगे नीतीश कुमार के डिप्टी?

पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की ऐसी सुनामी आई कि महागठबंधन राजद कांग्रेस वीआईपी का तिनका-तिनका बिखर गया। जन स्वराज का तो सुपड़ा साफ हो गया। 2025 विधानसभा चुनाव के परिणामों के बीच जो स्टार बनकर सामने आए हैं वो हैं पीएम मोदी के हनुमान चिराग पासवान जिन्होंने ऐसा कमाल दिखाया कि सारा गेम ही पलट दिया। 2025 के विधानसभा चुनाव में चिराग का स्ट्राइक रेट कमाल का है और अपने स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाने वाले चिराग ने महा रिकॉर्ड बना डाला है। बिहार चुनाव में चिराग वाकई विनर बनकर उभरे हैं। जिसने तेजस्वी से लेकर कई नेताओं को पीछे छोड़ दिया। चिराग पासवान की पार्टी ने इस चुनाव में जिस तरह से प्रदर्शन किया है, उसने सभी को चौंका दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सबसे निर्णायक चुनावी जीत में से एक बताई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की देशव्यापी लोकप्रियता से मज़बूत हुई जेडी(यू)-बीजेपी की नई साझेदारी, गठबंधन को ऐतिहासिक जनादेश की ओर ले गई। 2020 के बिहार चुनाव में, संयुक्त लोक जनशक्ति पार्टी ने 130 से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ़ एक सीट - मटिहानी - जीत पाई। वह विधायक बाद में जदयू में शामिल हो गया। गौरतलब है कि लोजपा के उम्मीदवार नौ सीटों पर दूसरे स्थान पर रहे थे।

इस बार के चुनाव में सबसे बड़ा सरप्राइज रहा चिराग पासवान का प्रदर्शन। उनकी पार्टी LJP ने 27 में से 19 सीटों पर बढ़त बनाकर सभी को चौंका दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह नई सरकार में नीतीश कुमार के उप-मुख्यमंत्री पद के लिए दावा करेंगे, चिराग पासवान ने कहा कि नहीं, बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि योग्य उम्मीदवार मेरी पार्टी से ही होगा। जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, वह पार्टी के किसी सदस्य को ही मिलेगी।

चिराग पासवान की पार्टी को पासवान अन्य अत्यंत पिछड़ा वर्ग यानी कि ईबीसी के सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं जो रुझान में भी सामने आ रहे हैं। उनसे यह स्पष्ट है कि पार्टी ने अपना वोट बैंक एकजुट रखा है। सुगोली, गोविंदगंज, कस्बा, बलरामपुर, बोछहा, नाथनगर यह ऐसी सीटें हैं जहां एलजेपीआर के प्रत्याशी 10,000 से भी ज्यादा वोटों की लीड लगातार बनाए हुए हैं। जानकार मानते हैं कि अगर पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने खुद को एक बागी के रूप में दिखाया था तो इस बार के चुनाव में उन्होंने खुद को एक युवा बिहारी नेता के रूप में स्थापित किया। बिहारी फर्स्ट वाला उनका नारा एकदम सटीक बैठा। उन्हें अपना कोर वोट बैंक तो मिला ही।

शास्त्री ब्रिज धंसने के बाद अलर्ट मोड पर निगम

रीगल चौराहा रोटरी में सैकड़ों चूहों के बिल मिले, गांधी प्रतिमा के पास धंसाव का खतरा

इंदौर। शास्त्री ब्रिज का हिस्सा धंसने और चूहों के बिलों के सामने आने के बाद नगर निगम अब शहर के अन्य संवेदनशील हिस्सों की भी जांच में जुट गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौर, जीएसआईटीएस की प्रोफेसर उत्तम आशा और निगम अधिकारियों ने रीगल चौराहा रोटरी परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पता चला कि यहां रोटरी के नीचे भी सैकड़ों की संख्या में चूहों के बिल बने हुए हैं, जिसके कारण मिट्टी खोखली हो गई है।

रीगल चौराहे पर महात्मा गांधी की वर्षों पुरानी प्रतिमा स्थापित है। प्रतिमा के आसपास जमीन कमजोर होने की सूचना के बाद महापौर ने मौके पर सुरक्षा का आकलन किया। उन्होंने कहा कि चूहों द्वारा खोदे गए बिलों के कारण मिट्टी पोली हो रही है, जिससे धंसाव की स्थिति बन रही है। निगम अब रोटरी के सौंदर्यीकरण और गांधी प्रतिमा को नई प्रतिमा से बदलने की योजना पर विचार कर रहा है। हालांकि अंतिम निर्णय मेट्रो कॉर्पोरेशन से चर्चा के बाद लिया जाएगा,क्योंकि इसी स्थान पर प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन की तैयारी भी जारी है।

निरीक्षण के दौरान पार्षद पंखुड़ी जैन डोसी, कार्यपालन यंत्री नागेन्द्रसिंह भदौरिया, झोनल अधिकारी गीतेश तिवारी सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। महापौर ने विशेषज्ञों के साथ विस्तृत समीक्षा के बाद निर्देश दिए कि हाईमास्ट पोल और राष्ट्रीय ध्वज पोल के आसपास की मिट्टी को मजबूत करने के लिए जमीन के भीतर सुदृढ़ वॉल बनाई जाए। साथ ही क्षेत्र में ठोस सामग्री भरकर आधार को स्थायी मजबूती दी जाएगी।

उन्होंने चूहों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने और ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों का नियमित निरीक्षण बढ़ाने के भी निर्देश दिए। निगम ने सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए मरम्मत और संरचनात्मक मजबूती के कार्य शीघ्र शुरू करने की तैयारी कर ली है।

सिंहस्थ के बिजली संबंधी कार्य जल्दी करने के निर्देश

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने गुरुवार को पोलोग्राउंड इंदौर स्थित सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों की मिटिंग ली। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ मप्र शासन के साथ बिजली कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए नए ग्रिड, पोल, कंडक्टर, ट्रांसफार्मर, केबलीकरण के शेष कार्य समय पर करा लिए जाए। इस संबंध में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन शहर एवं मेला क्षेत्र में सात सौ मैगावाट से ज्यादा की बिजली लगेगी, इसी के मद्देनजर नए कार्य कराए जा रहे है। श्री सिंह ने अधिकारियों से रबी सीजन पर गुणवत्ता से बिजली आपूर्ति करने, ट्रांसफार्मर फेल रेट कम करने, ट्रिपिंग का स्तर घटाने, समाधान योजना में प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को लाभ दिलाने, मीटरीकरण कार्य गंभीरता से करने, स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता संतुष्टि बढाने, बिजली संबंधी कार्य, योजना को जनप्रतिनिधियों को बताने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने समाधान योजना के क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण के लिए जिला, सर्कल के प्रभारी अधिकारी बनाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान, कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, उज्जैन के मुख्य अभियंता श्री बीएल चौहान, अधीक्षण अभियंता श्री विनोद मालवीय आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

इंदौर की बेटी पलक मुच्छाल ने रचा इतिहास

3800 बच्चों की हृदय सर्जरी के लिए धन जुटाने पर बना गिनीज रिकॉर्ड

इंदौर। बॉलीवुड की मशहूर पार्श्व गायिका पलक मुच्छाल ने समाज सेवा के क्षेत्र में ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पलक को सम्मानित किया है, क्योंकि उन्होंने अब तक 3,800 से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की हृदय सर्जरी के लिए धन जुटाया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ पलक ने एक नया वैश्विक रिकॉर्ड स्थापित कर मानवता की मिसाल पेश की है।

इंदौर में जन्मी पलक मुच्छाल अपनी मीठी आवाज से फिल्मी जगत में लोकप्रिय हैं, लेकिन ऑफ-स्टेज उनकी दानवीरता ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई है। उनकी संस्था पलक पलाश चैरिटेबल फाउंडेशन लंबे समय से गरीब बच्चों की हृदय सर्जरी के लिए सक्रिय है। हर कॉन्सर्ट की कमाई से लेकर अपनी निजी बचत तक, वे बिना किसी हिचकिचाहट के बच्चों की जिंदगी बचाने में खर्च करती हैं।

पलक का नाम इससे पहले लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हो चुका है। समाज सेवा का यह सफर उनके बचपन में शुरू हुआ, जब ट्रेन यात्रा के दौरान उन्होंने गरीब बच्चों की हालत देखकर मदद का संकल्प लिया था। आज वही संकल्प हजारों बच्चों की जिंदगी बदल रहा है। डॉक्टरों की टीमें भी उनके प्रयासों की सराहना करती हैं।

गिनीज रिकॉर्ड की घोषणा के बाद देशभर से पलक को बधाइयाँ मिल रही हैं। बॉलीवुड में कई कलाकार दान करते हैं, लेकिन पलक का तरीका सबसे अलग है-वे हर शो में दर्शकों से बच्चों की मदद के लिए अपील करती हैं और फैंस पूरे दिल से योगदान देते हैं। पलक मुच्छाल की प्रेरणादायक कहानी साबित करती है कि स्टारडम का सबसे बड़ा उपयोग समाज की सेवा में है।

एमपी के 1.32 लाख किसानों को 2.33 करोड़

देवास। भावांतर योजना भुगतान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को प्रदेश के 1 लाख 33 हजार किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा सीमा पर जवान और खेत में किसान दोनों बराबर हैं। किसानों की मेहनत से ही प्रदेश को 'सोयाबीन स्टेट' की पहचान मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए हर साल एमएसपी बढ़ा रही है। आपदा प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए भावांतर योजना को लागू किया गया है, जो देश में पहली बार मध्य प्रदेश में शुरू हुई थी।

बस ऑपरेटरों की बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में बस ऑपरेटरों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें यात्री सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बसों के टायर अच्छी स्थिति में हों, मेडिकल किट अनिवार्य रूप से रखी जाए एवं चालक नशे की हालत में वाहन न चलाएं। स्टॉप पर यात्रियों से अभद्र व्यवहार न हो और सभी चालक निर्धारित वर्दी में रहें। कलेक्टर ने कहा कि सभी ड्राइवरों का पुलिस वेरिफिकेशन आवश्यक है तथा बसों में अतिरिक्त पार्सल या ओवरलोडिंग नहीं की जाए। ऑपरेटरों को सभी निर्देशों का पालन करने के लिए समय दिया गया है। निर्देशों में यह भी कहा गया कि बसें किसी भी चौराहे से 500 मीटर के भीतर नहीं रोकी जाएं और शहर सीमा के अंदर बसों की गति 30 से 40 किमी प्रति घंटा तक सीमित रखी जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा की अध्यक्षता में विधायकों एवं पूर्व विधायकों के वेतन भत्ते, पेंशन संबंध में हुई बैठक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में विधायकों और पूर्व विधायकों के वेतन भत्ते, पेंशन आदि के संबंध में गठित समिति की द्वितीय बैठक मंत्रालय में हुई।

बैठक में विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई एवं श्री सचिन सुभाषचंद्र यादव उपस्थित रहे। समिति ने महाराष्ट्र, गुजरात एवं छत्तीसगढ़ के राज्यों में विधायक एवं पूर्व विधायक को मिलने वाली वेतन भत्ते एवं पेंशन राशि पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने यह निर्णय लिया कि अगामी बैठक में मध्यप्रदेश के विधायकों/पूर्व विधायकों को मिलने वाली सुविधा पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने गोपाल मंदिर में दर्शन किए, एमजी रोड थाने का निरीक्षण, भाजपा कार्यालय पहुंचे, बिहार चुनाव में एनडीए की जीत पर उत्सव मनाया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन से इंदौर पहुंचे, जहां उनका पहला पड़ाव गोपाल मंदिर रहा। उन्होंने मंदिर परिसर में बने नए ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यह हॉल छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बैठकों के लिए उपयुक्त रहेगा। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री पहली मंजिल पर पहुंचे और झरोखे से भक्तों व वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया।

उसी दौरान बिहार विधानसभा चुनाव के प्रारंभिक नतीजे आने लगे। एयरपोर्ट लाउंज में लगी स्क्रीन पर मुख्यमंत्री ने चुनाव रुझान देखे और इसकी जानकारी भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से भी ली। लगभग 20 मिनट तक मंदिर परिसर में रुककर उन्होंने विधिवत दर्शन किए। एयरपोर्ट की ओर जाते समय मुख्यमंत्री का काफिला एमजी रोड थाने पर रुका। उन्होंने थाने का निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों से दर्ज प्रकरणों,नए भवन की सुविधाओं तथा कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने पुलिस व्यवस्था को मजबूत और संवेदनशील बनाए रखने पर जोर दिया।

स्कूल-कॉलेज बसों की सुरक्षा पर सख्त हुए पुलिस कमिश्नर

इंदौर। विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूल-कॉलेज बसों के सुरक्षित संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कमिश्नर कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीशनल कमिश्नर आर.के. सिंह, डीसीपी (ट्रैफिक) आनंद कलादगी, यातायात पुलिस अधिकारी, शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रशासक एवं ट्रांसपोर्ट अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्कूल और कॉलेज बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और इमरजेंसी गेट अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। बस चालकों का वैध ड्राइविंग लाइसेंस, स्वास्थ्य परीक्षण और पुलिस वेरिफिकेशन समय-समय पर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी स्थिति में ड्राइवर नशे की हालत में वाहन न चलाएं।

यातायात पुलिस ने सुरक्षित बस संचालन हेतु एक चेकलिस्ट और शपथ पत्र जारी किए हैं, जिनका सभी स्कूलों द्वारा पालन आवश्यक होगा। कुछ संस्थानों द्वारा अपनाए गए सुरक्षा नवाचारों, जैसे ब्रीथ एनालाइजर सिस्टम, की सराहना की गई। पुलिस कमिश्नर ने चेतावनी दी कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों पर कठोर कार्रवाई होगी।

देर आए दुरुस्त आए : प्रशासन ने जनता की जानमाल की रक्षा के लिए उठाया कदम

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर आधुनिक फायर स्टेशन का निर्माण शीघ्र

इंदौर। शहर में आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रशासन ने अहम कदम उठाए हैं। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर नए फायर स्टेशन का निर्माण जल्द शुरू होने वाला है, जबकि न्याय नगर और लोहा मंडी में फायर स्टेशन स्थापित करने के लिए रिटेंडर की तैयारियां की जा रही हैं। ये कदम शहर में आग और अन्य आपात परिस्थितियों से निपटने की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं। फायर विभाग के प्रभारी विनोद मिश्रा के अनुसार, ट्रेंचिंग ग्राउंड पर फायर स्टेशन का काम बहुत जल्दी शुरू होगा। इस स्टेशनों की स्थापना से आसपास के इलाकों में आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा। शहर के बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इन नए फायर स्टेशनों की योजना बनाई है। न्याय नगर और लोहामंडी में फायर स्टेशन के निर्माण के लिए रिटेंडर प्रक्रिया पर भी काम तेज कर दिया गया है। अधिकारी

का कहना है कि रिटेंडर की प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इससे शहर के लोगों को आपातकालीन स्थितियों में राहत मिलने में मदद मिलेगी। शहर के नागरिकों का कहना है कि नए फायर स्टेशनों की स्थापना से न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि आग बुझाने और अन्य आपात सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

संपत्ति और उद्योग की सुरक्षा सुनिश्चित होगी- स्थानीय व्यापारियों और उद्योगपतियों ने भी प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है, क्योंकि इससे उनकी संपत्ति और उद्योग की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। प्रत्येक फायर स्टेशन को आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त वाहन संसाधनों से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सके। नए फायर स्टेशनों की स्थापना से शहर में न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि आपातकालीन सेवाओं की पहुंच भी हर क्षेत्र तक सुनिश्चित होगी। प्रशासन का यह कदम शहरवासियों के लिए राहत और सुरक्षा की दृष्टि से एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारत स्काउट एवं गाइड स्थापना दिवस पर सामूहिक नृत्य व कैम्प फायर प्रतियोगिता आयोजित

इंदौर। भारत स्काउट एवं गाइड के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला संघ इंदौर परिसर में सामूहिक नृत्य एवं कैम्प फायर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्काउट-गाइड प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भूपेंद्र अडसुले, सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनोज पटेल तथा अध्यक्षता अनिल बागोरा ने की। विशेष अतिथि प्रदीप मोठ,राजेश नरगेर व राकेश पंडित रहे।

सामूहिक नृत्य में गरिमा विद्या मंदिर,पीएम श्री स्कूल हातोद, एंजिल हॉटस एकेडमी, कैलोद पब्लिक स्कूल, सेंट पॉल, सांदीपनी आश्रम, विद्यासागर व विनर्स एकेडमी के केडेट्स ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कैम्प फायर प्रतियोगिता में कैलोद पब्लिक, गरिमा विद्या विहार व प्रेरणा पब्लिक स्कूल के स्काउट-गाइड्स ने हिस्सा लिया। निर्णायक स्मिता मतकरी, वैजयंती गहलोत व ज्योति बाला शर्मा रहीं।

संचालन तेजकुमार सिलावट ने किया। कार्यक्रम में स्काटर्स यश जोशी, अनवर खान, मेहुल जायसवाल, सोनल शर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से की वन-टू-वन चर्चा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0' के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। इससे मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं, औद्योगिक क्लस्टरों, तकनीकी केंद्रों और नवाचार आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। वन-टू-वन में आईटी, ड्रोन, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, रक्षा, ईवी मैन्युफैक्चरिंग, फिल्म टेक्नोलॉजी और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जैसे क्षेत्रों में निवेश, भूमि आवंटन, नीति प्रोत्साहन और प्रशिक्षण सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय सेना के मेजर जनरल गौतम महाजन, ब्रिगेडियर एम.एस. रंधावा, ब्रिगेडियर दीपक पुरी, कर्नल मनोजित सिन्हा, लेफ्टिनेंट कर्नल अरिजीत चंद्र सेन से मुलाक़ात की। इस दौरान राज्य सरकार और भारतीय सेना के मिलिट्री कॉलेज ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बीच साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के लिये एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता रक्षा एवं नागरिक

तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ कर मध्यप्रदेश को तकनीकी नवाचार में अग्रणी बनाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एएनएसआर ग्लोबल के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री विक्रम आहूजा से मध्यप्रदेश में नया 'जीसीसी हब' स्थापित करने के संबंध में चर्चा की। बैठक में हब के लिए उपयुक्त स्थान, कार्यालय अवसंरचना, पूंजी निवेश, प्रशिक्षण एवं भर्ती प्रोत्साहन, जीसीसी पॉलिसी और इंसेंटिव फ्रेमवर्क के तहत सहयोग पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनंत टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संस्थापक डॉ. सुब्बाराव पवुलुरी से मुलाक़ात की। इस दौरान डिफेंस क्लस्टर की स्थापना, निवेश प्रोत्साहन, भूमि आवंटन और अवसंरचना विकास पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने वेना इंडिया के निदेशक श्री गौतम यादव एवं सह-निदेशक श्री पार्थ सेन गुप्ता से भी वन-टू-वन चर्चा की। प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी द्वारा इंदौर में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पहले ही स्थापित किया जा चुका है। मध्यप्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी नीति 2025 के तहत प्रोत्साहनों और भोपाल-इंदौर जैसे शहरों में भविष्य के विस्तार पर चर्चा हुई।

मधु मिलन चौराहे पर नेहरू प्रतिमा पर कांग्रेसजनों ने किया माल्यार्पण

इंदौर। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर सोमवार को मधु मिलन चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने नेहरू के देश निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया और कहा कि उनकी विचारधारा आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास की आधारशिला है। सभी ने राष्ट्र में एकता, सद्भाव और प्रगति के संकल्प को दोहराते हुए नेहरू के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बताया उनसे रुपए ऐठने के लिए किया जा रहा बदनाम

इंदौर : राजिक फर्शीवाला भाजपा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य और राष्ट्रीय महासचिव गोसेवा संघ ने अपनी फ़ेसबुक वाल सहित कई शोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी पोस्ट में लिखा है कि कुछ जिहादीयों एवं कट्टरपंथीयों द्वारा मेरी माँ भारती सेवा करना, गौ सेवा करना एवं पवित्र तीर्थ स्थल मक्का के हतिम मे मेरे द्वारा देश की आन हम सब की शान जान प्यारा तिरंगा फैराया जाना जो की किसी भी मुस्लिम द्वारा पहली बार हतिम काबे के सामने फैराया जाना हजम नहीं हो रहा है वो जिहादी मुझे जान से मारने एवं फोटो ऐप AI द्वारा मेरी गलत तस्वीरें बना कर सोशल मीडिया पर डाल कर पैसो की डिमांड कर रहे है! ऐसे लोगो के खिलाफ मैंने नामजद इंदौर कोर्ट मे एक करोड़ का मान हानि का मुकदमा मेरे वकीलों द्वारा दायर किया है एवं सभी प्रशासनिक अधिकारियो को रिपोर्ट दी गई है! मेरी लीगल टीम सभी सोशल मीडिया के स्क्रीन शॉट लेकर सभी प्रशासनिक अधिकारियो एवं कोर्ट मे मान हानि का दावा लगा रही है! मैं इन कट्टरपंथीयों की गीदड़ भपकियो से डरने वाला नहीं हूँ और मैं ऐसे ही माँ भारती की सेवा करता रहूँगा मरते दम तक!

नंदबाग सरकारी स्कूल में बाल दिवस पर रंगारंग बाल मेला

इंदौर। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मनाए गए बाल दिवस के अवसर पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय नंदबाग (स्कीम नंबर 51) में शुक्रवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने विभिन्न लजीज व आकर्षक व्यंजनों के स्टॉल लगाए, जिनका शिक्षक-कर्मचारियों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

कार्यक्रम में पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने बच्चों के उत्साह,रचनात्मकता और टीमवर्क की सराहना की।

मेले की शुरुआत पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अनीता राठौर, शिक्षक महेंद्र पाठक, अर्पणा अत्रे, गजेंद्र चौहान, विनीता जाट सहित पूरा स्कूल स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। बाल मेले ने बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता और सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया।

सूने घर से लाखों की नकदी-जेवरात पार

इंदौर। लसुडिया़ थाना क्षेत्र में हुई सनसनीखेज चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फाइनेंस कंपनी में कार्यरत मैनेजर के घर में अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार किसी कार्यक्रम में शामिल होने बाहर गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए मकान के मुख्य दरवाजे के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

एफएसएल टीम ने की जांच, आठ से दस लाख के सामान की चोरी-सूचना पर लसुडिया़ पुलिस दल मौके पर पहुंचा। घर के भीतर सामान बिखरा देख तुरंत फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और एफएसएल टीम को बुलाकर वैज्ञानिक जांच शुरू की गई। शुरुआती अनुमान के अनुसार बदमाश करीब आठ से दस लाख रुपए का सामान ले गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध, जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद : आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो से तीन संदिग्ध व्यक्ति घर के आसपास घूमते दिखाई दिए। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना है।

चोरी की बढ़ती घटनाओं से चिंता-यह घटना शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता का विषय बन गई है। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

CRIME

गांजा तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। क्राइम ब्रांच की टीम एम.आर.-4 रोड स्थित भंडारी पुलिया क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इस दौरान एक व्यक्ति एक्टिवा पर पुलिस को देखकर भागने लगा। टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बब्लू उर्फ विजय पनिहार बताया। तलाशी के दौरान उसकी एक्टिवा से सफेद बोरी में 3 किलो 30 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। आरोपी ने कबूला कि वह सस्ते दामों में गांजा खरीदकर शहर में ऊंचे दामों पर बेचता है। क्राइम ब्रांच ने गांजा और वाहन जब्त करते हुए थाना क्राइम ब्रांच में अपराध क्रमांक 196/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नाले में मिला अज्ञात युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

इन्दौर। बेटमा क्षेत्र के पीर पिपलिया और करवासा के बीच स्थित नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने शव को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक की हत्या कर उसे नाले में फेंका गया होगा। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

गौशाला संचालक पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मल्हारगंज थाना क्षेत्र का निवासी है और केशव विहार इलाके में गौशाला संचालित करता है। आरोपी ने गौशाला की देखरेख के लिए एक व्यक्ति को केयरटेकर नियुक्त किया था,जिसकी नाबालिग बहन के साथ उसने दुष्कर्म किया।

पांच हजार का फरार इनामी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच को एक और बड़ी सफलता मिली है। एमडी ड्रग्स तस्करी प्रकरण में पुलिस ने 5,000 रुपये के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पूर्व में पकड़े गए दो आरोपियों से मिली जानकारी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर की गई।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार, कुछ समय पूर्व 255 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ नसीब खान और साहिल मंसूरी को पकड़ा गया था। पूछताछ में दोनों ने गिरोह में शामिल अन्य साथियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना पर तुकोगंज क्षेत्र के कंचन बाग में दबिश देकर फरार आरोपी को पकड़ा। उसकी पहचान रेहान खान, निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक पूछताछ में रेहान ने बताया कि वह 9वीं तक पढ़ा है और टेंट हाउस में काम करता था। उसने स्वीकार किया कि प्रतापगढ़ क्षेत्र में एमडी ड्रग्स की तस्करी बड़े पैमाने पर होती है और वह कम दाम पर ड्रग्स खरीदकर इंदौर के नशे के आदी युवाओं को महंगे दाम पर बेचता था। उसकी गिरफ्तारी पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था।

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही पुलिस रिमांड लेकर उससे अन्य तस्करों और ड्रग सिंडिकेट के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जाएगी।

महिला ने ज्वेलरी दुकान से एक लाख का कड़ा चुराया

इंदौर। महिला छोटा बच्चा गोद में लेकर ज्वेलरी की दुकान पर आई। 10 मिनट तक जेवर देखने के बाद दुकानदार से नजर बचाकर एक लाख का सोने का कड़ा लेकर चम्पत हो गई। घटना सराफा के शक्कर बाजार की है। फरियादी सुनील कपूर निवासी रेसकोर्स रोड ने बताया कि उनकी शक्कर बाजार में ज्वेलरी की दुकान है। महिला दुकान पर आई और सोने का कड़ा खरीदने की बात कही। सुनील ने उसे कई डिजाइन दिखाए। महिला करीब 10 मिनट तक जेवर देखती रही और फिर यह कहकर चली गई कि उसे अभी कुछ पसंद नहीं आया है। जब शाम को दुकान बंद की गई और कड़ों का बॉक्स चेक किया गया तो उसमें से एक कड़ा गायब मिला। ज्वेलर्स ने तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महिला की हरकतें संदिग्ध नजर आईं। फुटेज में चोरी की वारदात कैद होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को आशंका है कि महिला ने बच्चे का उपयोग सिर्फ संदेह से बचने के लिए किया था।

साइबर सतर्कता ही सुरक्षा की ढाल

इंदौर। बढ़ते साइबर अपराधों पर रोक लगाने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन में लगातार साइबर अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अति. पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश दंडोतिया ने आइडियल एकेडमी स्कूल में पहुंचकर लगभग 700 छात्रों को साइबर सुरक्षा संबंधी व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन गेम्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फ्रॉड तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए हर उपयोगकर्ता को सजग रहना जरूरी है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें। कार्यक्रम में सुरक्षित क्लिक-एआई एजेंटिक समाधान (चैटबॉट) का प्रदर्शन भी किया गया, जो नागरिकों को साइबर ठगी से बचाव की उपयोगी जानकारी देता है। पुलिस ने छात्रों से अपील की कि वे ऑनलाइन गतिविधियों में सतर्कता बरतें।

अंतर्राज्यीय बसों की आकस्मिक चेकिंग

इंदौर। नागरिकों की सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर बुधवार शाम शहर में अंतर्राज्यीय बसों की आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। चारों जोनों के डीसीपी और एसीपी टीमों ने सरवटे, गंगवाल बस स्टैंड, मूसाखेड़ी, रेडिसन चौराहा और आज़ाद नगर क्षेत्रों में एक साथ सघन जांच की। अभियान के दौरान बसों के ड्राइवर और कंडक्टर की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई ताकि शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस ने बसों में सवार यात्रियों, क्लीनर और संदिग्ध व्यक्तियों की भी तलाशी ली। अधिकारियों ने यात्रियों को यात्रा के दौरान सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की। यह अभियान नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने और शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित व व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाया गया।

धोखा खाने पर प्रेमिका ने लगाई थी फांसी

इंदौर। गत दिनों युवती द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में पुलिस ने प्रेमी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। युवती अपने प्रेमी के धोखे से परेशान थी। पुलिस के मुताबिक हेलो वर्ल्ड बिल्डिंग राधिका पैलेस बिल्डिंग में युवती ने फांसी लगा ली थी। वह मूल रूप से छतरपुर की रहने वाली थी। जांच में पता चला कि मृतका को उसका प्रेमी युवराज उर्फ युवी लगातार प्रताडित् कर रहा था। आरोपी ने पहले दोस्ती की और शादी का झांसा दिया, लेकिन बाद में उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया और उसका शारीरिक एवं मानसिक शो से तंग आकर युवती ने अपने फ्लैट में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। खजराना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

संवेदनशील क्षेत्रों में चला विशेष सर्चिंग व ड्रोन पेट्रोलिंग अभियान

इंदौर। पुलिस आयुक्त नगर इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, डीसीपी जोन-2 कुमार प्रतीक तथा एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जोन-2 पुलिस द्वारा व्यापक सर्चिंग व ड्रोन पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत बीडीएस (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड) टीम ने खजराना क्षेत्र, प्रमुख मॉल्स एवं धार्मिक स्थलों की सुरक्षा जांच की। सी-21 और मल्हार मॉल की अंडरग्राउंड पार्किंग में वाहनों व संदिग्ध वस्तुओं की गहन तलाशी ली गई। इसके साथ ही ड्रोन के माध्यम से हॉटस्पॉट एवं शैडो क्षेत्रों की ऊँचाई से निगरानी रखी गई। असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करते हुए 36 गुंडा चेक, 21 चाकूबाज चेक, 24 निगरानी बदमाश चेक, 41 संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई एवं 22 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। सड़क सुरक्षा के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 27 चालकों पर कार्रवाई कर उनके वाहन जब्त किए गए।

वाहन लोन लेने वालों की अपेक्षाओं में शीर्ष पाँच बदलाव

प्रेमकुमार जी
बिज़नेस हेड- वाहन वित्त,
उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक

लाखों भारतीयों के लिए, वाहन का मालिक होना केवल परिवहन का एक साधन नहीं है। यह गतिशीलता, स्वतंत्रता और प्रगति का प्रतीक है। जैसे-जैसे व्यक्तिगत आकांक्षाएँ विकसित हो रही हैं, वाहन ऋण प्रदाताओं से अपेक्षाएँ भी लगातार बढ़ रही हैं। आज के ग्राहक चाहते हैं कि उनका वाहन ऋण जल्दी, सरलता से और उनकी जरूरतों के अनुसार मिले।

महिलाएँ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में अधिक रुचि दिखा रही हैं, जिसका मुख्य कारण उनका कम रखरखाव खर्च और कुछ राज्यों में बिजली पर सब्सिडी जैसे सरकारी प्रोत्साहन हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईवी को तेजी से अपनाया जा रहा है, जहाँ ग्राहक इन्हें एक स्मार्ट, टिकाऊ और लागत-प्रभावी विकल्प मानते हैं, खासकर राज्य सरकार के समर्थन और हरित पहलों के कारण।

यहाँ वाहन ऋण लेने वालों की अपेक्षाओं में शीर्ष बदलाव दिए गए हैं और बताया गया है कि कैसे स्मॉल फाइनेंस बैंक ग्राहक-केंद्रित नवाचारों के साथ इन पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

कम डाउन पेमेंट, लचीली ईएमआई और जोखिम-आधारित मूल्य निर्धारण

ऋण लेने वाले अब जानते हैं कि उनकी क्रेडिट प्रोफाइल उनके भुगतान को कैसे प्रभावित करती है। एक समान मूल्य निर्धारण का दौर अब पुराना हो चुका है। आज के ग्राहक कम डाउन पेमेंट, लचीले ईएमआई विकल्प और अपनी जोखिम प्रोफाइल के अनुसार व्यक्तिगत ब्याज दरों की उम्मीद करते हैं।

आज के जोखिम-आधारित मूल्य निर्धारण मॉडल, जो ऋण वितरण प्रणालियों में शामिल हैं, जिम्मेदार उधारकर्ताओं (जिनका पुनर्भुगतान रिकॉर्ड और क्रेडिट स्कोर अच्छा है) को अधिक आकर्षक शर्तें देते हैं, जिसमें कम ब्याज दरें और उच्च लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात शामिल है। यह बदलाव लागत को क्रेडिट योग्यता से जोड़ता है, जिससे अधिक लोगों के लिए कम मासिक किस्तों में बेहतर वाहन खरीदना संभव हो गया है।

उदाहरण के लिए, एक बहुत अच्छा ब्यूरो स्कोर वाला उधारकर्ता आकर्षक और प्रतिस्पर्धी ब्याज दर का लाभ उठा सकता है और अधिकतम फंडिंग (एलटीवी) प्राप्त कर सकता है, जिससे वाहन का मालिक बनना काफी अधिक सुलभ और किफायती हो जाता है।

कम प्री-क्लोजर शुल्क के साथ लचीला पुनर्भुगतान

उधारकर्ता ऐसे विकल्प चाहते हैं, जो उनकी वित्तीय स्थिति के अनुकूल हों; वे कठोर संरचनाओं के बजाए लचीलापन पसंद करते हैं। कई लोग ऐसी अवधि चाहते हैं, जो उनके नकदी प्रवाह के अनुकूल हो और साथ ही बिना किसी जुर्माने के ऋण को समय से पहले बंद करने की स्वतंत्रता भी हो।

सौभाग्य से, प्रगतिशील ऋणदाता कम या नगण्य प्री-क्लोजर शुल्क के साथ लचीले पुनर्भुगतान कार्यक्रम पेश कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण विश्वास बनाता है और ऋणदाता-उधारकर्ता संबंध को मजबूत करते हुए बार-बार ऋण लेने को प्रोत्साहित करता है।

तत्काल ऋण निर्णय

हम तत्काल संतुष्टि के युग में रहते हैं। डिजिटल भुगतान की पुष्टि से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक सब कुछ बहुत तेजी से होता है। इसलिए, आज के डिजिटल रूप से समझदार ग्राहक त्वरित ऋण स्वीकृति की अपेक्षा करते हैं।

विश्वसनीय क्रेडिट इंजनों और स्वचालित स्कोरिंग के माध्यम से, कई स्मॉल फाइनेंस बैंक अब कुछ ही मिनटों में ऋण पात्रता का निर्णय लेने में सक्षम हैं। चाहे कोई ग्राहक डीलरशिप पर जाए या ऑनलाइन आवेदन करे, उसे अब अनिश्चितता में नहीं रहना पड़ता। त्वरित निर्णयों से खरीदारी भी तेजी से होती है, जिससे इसमें शामिल सभी लोगों को लाभ होता है।

एंड-टू-एंड डिजिटल प्रक्रिया

डिजिटलीकरण के कारण, उधारकर्ता अब कागज रहित ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया की उम्मीद करते हैं, जिसमें बायोमेट्रिक केवाईसी, ई-हस्ताक्षर और डिजिटल स्टैंपिंग शामिल है। वास्तव में, अधिकांश प्रक्रिया पहले ही डिजिटल हो चुकी है, जिसमें शेष कागजी कार्रवाई मुख्य रूप से आरटीओ सहमति जैसे वैधानिक मानदंडों से जुड़ी है।

स्मॉल फाइनेंस बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली आधार-सक्षम सेवाओं ने ग्राहक के भौतिक हस्ताक्षरों को काफी कम कर दिया है। इस प्रकार, समय की बचत होती है, सटीकता, सुविधा और अनुपालन में वृद्धि होती है। कई क्षेत्रों में बायोमेट्रिक केवाईसी को लगभग 100ऱ् अपनाए जाने के साथ, उद्योग में कागज रहित ऑनबोर्डिंग का युग पूरी तरह से शुरू हो चुका है।

इसके अलावा, कुछ फाइनेंसर्स ने ग्राहक के पते को सत्यापित करने के लिए वीडियो-आधारित संपर्क बिंदु सत्यापन (सीपीवी) को भी अपनाया है, जो लागत प्रभावी और समय बचाने वाला है।

उसी दिन संवितरण और डिलीवरी

किसी भी अन्य खरीदारी की तरह, ग्राहक वाहन खरीदते समय भी एक सहज अनुभव चाहते हैं, जिसका अर्थ है कि स्वीकृति से लेकर डिलीवरी तक सब कुछ उसी दिन हो जाए।

ऋणदाता अनुमोदन के तुरंत बाद, कभी-कभी कुछ ही मिनटों के भीतर, सीधे डीलरशिप को तेजी से संवितरण करके इस आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं। कुछ आरटीओ द्वारा नंबर प्लेट जारी करने की प्रक्रिया को तेज करने के साथ, कुछ ग्राहक अब उसी दिन, प्रक्रिया शुरू करने के कुछ घंटों के भीतर ही अपनी गाड़ी घर ले जा पाते हैं।

निष्कर्ष के रूप में, वाहन फाइनेंसिंग अब सिर्फ ऋण राशि और ब्याज दरों के बारे में नहीं है। यह सामर्थ्य, अनुभव, पारदर्शिता, लचीलापन और गति के बारे में है। इसलिए, ऋणदाता व्यक्तिगत मूल्य निर्धारण, डिजिटल उपकरण और उसी दिन डिलीवरी के अनुभव सुनिश्चित कर रहे हैं। जैसे-जैसे ग्राहकों की अपेक्षाएँ बढ़ रही हैं, जो ऋणदाता सहानुभूति, फुर्ती और नवाचार के साथ प्रतिक्रिया देते हैं, वे ही प्रासंगिक बने रहेंगे और नेतृत्व करेंगे।

फार्म फाइनेंस और वर्किंग कैपिटल से जुड़ी पांच सबसे बड़ी प्रगतियाँ

किसानों के लिए समय पर मिलने वाला पैसा उतना ही जरूरी है जितनी बारिश। इसी से वे बीज और खाद खरीद पाते हैं, मजदूरी दे पाते हैं और अपने पशुधन का पालन कर पाते हैं। पहले किसानों के लिए कामकाज चलाने के लिए वर्किंग कैपिटल जुटाना मुश्किल था, इसलिए वे अक्सर साहूकारों या अनौपचारिक उधार देने वालों पर निर्भर रहते थे। अब बैंकिंग सेक्टर ने लचीले लोन मॉडल तैयार किए हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों तक आसानी से लोन पहुँच रहा है। यहाँ फार्म फाइनेंस से जुड़ी पांच प्रमुख सेवाओं के बारे में बताया गया है।

अपनी सुविधा अनुसार भुगतान करने की योजना

सामान्य लोन की तरह हर महीने तय किस्तें भरने की जरूरत नहीं होती। कृषि लोन की व्यवस्था इस तरह बनाई जाती है कि किसान अपनी फसल के चक्र के अनुसार पैसा चुका सके। किसान फसल की कटाई के बाद लोन चुका सकते हैं, जिससे कमाई के कमजोर महीनों में उन पर दबाव नहीं पड़ता। यह तरीका किसानों में तनाव कम करता है, कर्ज न चुकाने के मामलों को घटाता है और उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है। खेती के लिए कर्ज की माँग लगातार बढ़ रही है, जो दर्शाता है कि किसानों को समय पर मिलने वाली आर्थिक मदद कितनी जरूरी है।

ज़रूरत के हिसाब से लोन और समझदारी पूर्वक उधार देना

अब सैटेलाइट इमेज, मौसम के आंकड़ों और किसानों द्वारा किए गए पिछले भुगतान जैसे आधुनिक साधनों की मदद से बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा हर फसल, किसान और क्षेत्र के अनुसार लोन की योजना बनाई जा रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो में जारी सूचना के अनुसार, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) इस प्रणाली का मुख्य आधार बना हुआ है। 31 दिसंबर 2024 तक इसके 7.72 करोड़ सक्रिय खाते और ?10.05 लाख करोड़ के लोन जारी किए जा चुके हैं। इतनी बड़ी पहुँच के साथ, यह जरुरत के हिसाब से लोन की सुविधा, किसानों को समय पर, उपयोगी और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने में मदद कर रही है।

डिजिटल रूप से लोन की पूरी प्रक्रिया

अब किसानों को लोन लेने के लिए हफ्तों तक कागजी कार्रवाई और यात्रा करने की जरूरत नहीं होती। कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने आधार के माध्यम से ई-केवाईसी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पेश किए हैं, जिससे लोन जल्दी और पारदर्शी तरीके से मिलता है। किसान स्मार्टफोन से आवेदन कर सकता है, जल्दी पैसा प्राप्त कर सकता है और डिजिटल रूप से चुका सकता है। फसल उगाने वाले किसानों के लिए इसका मतलब है समय पर बीज और खाद खरीद पाना, जबकि डेयरी किसानों के लिए इसका मतलब है जानवरों का चारा खरीदने के लिए जल्दी उधार लेना और दूध के भुगतान से चुकाना। कुल मिलाकर, डिजिटल प्रक्रियाओं ने किसानों के लिए लोन की सुविधा को आसान बना दिया है और ग्रामीण स्तर पर वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाया है।

बीमा के ज़रिए नुकसान की भरपाई

कृषि में सूखा, बाढ़ और कीटों जैसी प्राकृतिक परेशानियों का हमेशा खतरा रहता है। बीमा के जरिये इन खतरों से होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई होती है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो में जारी सूचना के अनुसार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय), जो 2016 में शुरू हुई थी, ने 78 करोड़ आवेदन के आधार पर ?1.8 लाख करोड़ से अधिक के दावे निपटाए हैं। यह बीमा सुरक्षा मुश्किल समय में किसानों की आमदनी बचाती है और उन्हें भरोसे के साथ दोबारा लोन लेने में मदद करती है। वहीं, इससे बैंक या लोन देने वालों का खतरा भी कम होता है और वे किसानों को ज़्यादा आर्थिक मदद दे पाते हैं।

खेती से जुड़े खर्च और जरूरी सुविधाएँ

अब बैंक या वित्तीय संस्थान सीधे किसानों की फसल या दूध की बिक्री से लोन चुकता करवा रहे हैं, यानी भुगतान सीधे उनकी आमदनी से होता है। वहीं, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और प्रोसेसिंग यूनिट में निवेश को बढ़ावा दे रहा है। ये सुविधाएँ किसानों को अपनी उपज एक जगह सुरक्षित रूप से रखने, नुकसान कम करने और बेहतर दाम में बेचने में मदद करती हैं। डेयरी क्षेत्र में स्थिर खरीदारी किसानों के लिए भरोसेमंद आय सुनिश्चित करती है, जिससे वे अपने लोन का भुगतान आसानी से कर पाते हैं। कुल मिलाकर, वैल्यू चेन फाइनेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट मिलकर मजबूत और टिकाऊ कैश फ्लो बनाते हैं।

आगे की दिशा

ये प्रगतियाँ सिर्फ लोन देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों में सहनशीलता, विविधता और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में बदलाव को दर्शाती हैं। नाबार्ड के चेयरमैन, शाजी के. वी. के अनुसार (टाइम्स ऑफ़ इंडिया, 15 जुलाई 2025), नाबार्ड अनुमान लगा रहा है कि वित्त वर्ष 26 तक कृषि क्रेडिट की मांग ?32 लाख करोड़ पार कर जाएगी। बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास ग्रामीण स्तर पर लोन प्रदान करने में अपनी भूमिका बढ़ाने का बड़ा अवसर है। यदि वे वित्तीय प्रगति को सरकारी समर्थन के साथ मिलाएँ, तो वे ग्रामीण समृद्धि को मजबूत करने में मुख्य साझेदार के रूप में खुद को स्थापित कर सकते हैं।

लेखकः उमेश अरोड़ा
हेड ऑफ इमर्जिंग बिजनेस, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक

सर्दी में योग : तंदुरुस्त शरीर और ऊर्जावान मन के मंत्र

जाड़े का मौसम खूब खाने-पीने व सेहत बढ़ाने वाला होता है। लेकिन ये ठंडक, सुस्ती और कई बार आलस्य लेकर आता है। इस समय शरीर का तापमान कम हो जाता है, रक्त प्रवाह धीमा पड़ता है और पाचन तंत्र भी कमजोर हो सकता है। ऐसे में योग, प्राणायाम और मुद्राओं का अभ्यास शरीर को ऊर्जावान, गरमाहट भरा और स्वस्थ बनाए रखने में बहुत सहायक होता है। हिमालय सिद्ध अक्षर ने अरुण कुमार को बताया कि हम योगासन, प्राणायाम व मुद्राओं से कैसे स्वस्थ रह सकते हैं।

ऊर्जावान बनाने वाले योगासन

शरद ऋतु में जीवन की एकरसता कम करने व ऊर्जावान बनाने में योगासनों की बड़ी भूमिका होती है। इस मौसम में योगासन हमारे शरीर को लचीला, ऊर्जावान और चुस्त बनाते हैं। सर्दियों में निम्नलिखित आसन विशेष रूप से लाभकारी होते हैं-

सूर्य नमस्कार : सर्दियों में सूर्य नमस्कार सबसे उपयुक्त योग अभ्यास माना जाता है। दरअसल, यह हमारे शरीर के हर भाग को सक्रिय करता है। शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ाता है, साथ ही गरमाहट लाता है। स्कूलों में सुबह-सुबह सूर्य नमस्कार का अभ्यास छात्रों को ऊर्जावान बना सकता है।

त्रिकोणासन : सर्दियों में त्रिकोणासन बेहद लाभकारी होता है। यह हमारे शरीर की जकड़न खत्म करता है। यह आसन हमारे शरीर की मांसपेशियों को फैलाता है। साथ ही पाचन तंत्र को ठीक करता है। आसन ठंड में शरीर की जकड़न कम करता है।

भुजंगासन : दरअसल, भुजंगासन हमारे शरीर के अगले भाग को ऊर्जावान व लचीला बनाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। हमारी छाती को फैलाता है और साथ ही फेफड़ों को सक्रिय बनाता है। सर्दियों में सांस से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए भुजंगासन उपयोगी है।

उष्ट्रासन : उष्ट्रासन जहां हमारे शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है वहीं ऊर्जा का संचार भी करता है। यह आसन शरीर के आगे के हिस्से को फैलाता है और शरीर में गरमाहट पैदा करता है। साथ ही यह पाचन तंत्र को भी सुधारता है। कालांतर शरीर में व्याप्त आलस्य दूर करता है।

सेतु बंधासन : दरअसल, सेतुबंध आसन हमारे तन मन को स्वस्थ बनाने में सेतु का कार्य करता है। इसीलिए इसे सेतुबंध आसन नाम दिया गया। जो हमारी कमर को लचीला बनाता है। यह आसन कमर दर्द, थकान और ठंड के कारण होने वाली जकड़न कम करता है।

आज हमारे जो किशोर मोबाइल व वीडियो गेम तक सीमित होते जा रहे हैं, उनके लिये ये आसन बेहद उपयोगी हैं। यदि विद्यालयों में इन आसनों को सुबह प्रार्थना सभा के बाद 15–20 मिनट कराया जा सकता है तो यह उनके स्वास्थ्य के लिये बेहद उपयोगी हो सकते हैं। यह उनके जीवन का हिस्सा बन जाएं तो वे ताउम्र स्वस्थ रह सकते हैं। इस दौरान छात्रों को आसन करते समय सांस पर ध्यान देने के लिये प्रेरित करना चाहिए। इसके जरिये उनके मन को शांत रखने का सार्थक प्रयास किया जा सकता है।

उपयोगी प्राणायाम

दरअसल, प्राणायाम के जरिये हम सांसों का नियमन करते हैं। इससे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ जाता है। सर्दियों के मौसम में प्राणायाम हमारे श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित करके शरीर में ऊर्जा और गरमाहट का प्रवाह करता है। सर्दियों में निम्नलिखित प्राणायाम बहुत उपयोगी हैं

कपालभाति प्राणायाम : सर्दियों में शरीर का तापमान नियंत्रित करने में कपालभाति का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। कपालभाति का अर्थ है 'कपाल को उज्ज्वल करने वाला'। इस प्राणायाम से मस्तिष्क ऊर्जावान और शक्तिशाली बनता है। यह शरीर के रक्त प्रवाह को अच्छा करता है और ठंड के कारण होने वाली सुस्ती को दूर करता है। सुबह खाली पेट 2–3 मिनट इसका अभ्यास लाभदायक है।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम : सही मायनों में अनुमोल-विलोम हमारी सांसों का नियमन करता है। जिसके जरिये हम अपने शरीर के तापमान को भी नियंत्रित कर सकते हैं। दरअसल, यह सबसे संतुलित प्राणायाम है। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। इसके अलावा श्वसन तंत्र भी मजबूत होता है। अंततः हमारा मन शांत होता है।

भस्त्रिका प्राणायाम : योग की भाषा में भस्त्रिका प्राणायाम को 'योगिक ब्लोअर' भी कहते हैं। यह शरीर में जरूरी ऊष्मा पैदा करता है। इसलिए सर्दियों में भस्त्रिका प्राणायाम बेहद लाभकारी है। इससे रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और शरीर ऊर्जावान महसूस करता है। विद्यालयों में इन प्राणायामों को सुबह के योग सत्र में या मध्यांतर के बाद करवाया जा सकता है। यह बच्चों में ध्यान, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

सर्दियों में जरूरी मुद्राएं

वास्तव में मुद्राएं हमारे शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करती हैं। जिससे मानसिक संतुलन बनाए रखने में हमें मदद मिलती है। सर्दियों में निम्न मुद्राएं विशेष लाभदायक हैं-

प्राण मुद्रा : प्राण मुद्रा हमारे शरीर में ऊर्जा को बढ़ाती है। जिससे कालांतर यह शरीर में जीवनी शक्ति भरती है। सर्दियों में यह हाथ-पैरों की ठंडक कम करती है।

सूर्य मुद्रा : दरअसल, सूर्य मुद्रा हमारे शरीर की अग्नि (पाचन शक्ति) को बढ़ाती है। सर्दियों के दौरान हमारे शरीर में गरमाहट लाती है। यदि ठंड के दौरान हम थकान या आलस्य महसूस करते हैं तो सूर्य मुद्रा का अभ्यास करना चाहिए।

ज्ञान मुद्रा : जैसा कि इस मुद्रा का नाम ज्ञान मुद्रा है, यह हमारी ध्यान शक्ति बढ़ाती है, मन को स्थिर करती है। कालांतर हमें मानसिक शांति प्रदान करती है। शीत ऋतु ही नहीं, अन्य मौसम में भी ,इन मुद्राओं का अभ्यास 10–15 मिनट तक शांति से बैठकर किया जा सकता है। विशेषकर जब सूर्य की हल्की धूप हो, तो इनका लाभ बढ़ जाता है।

आहार और दिनचर्या का महत्व

योग केवल आसनों तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। सर्दियों में खानपान और दिनचर्या पर ध्यान देना भी उतना ही आवश्यक है। जो हमारे स्वस्थ रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

-गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन करें, जैसे दलिया, सूप, मूंग दाल, तिल, गुड़, मेवे, और मौसमी सब्जियां।

-ठंडे पेय, बर्फ या जंक फूड से बचें।

- सुबह जल्दी उठकर धूप सेंकें। इससे विटामिन मिलेगा और शरीर में गरमाहट बनी रहेगी।

- पर्याप्त नींद लें और विश्राम करें।

-दिन में पर्याप्त पानी और हर्बल चाय पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

यदि हम दैनिक जीवन में योगासन, प्राणायाम, मुद्राओं का नियमित अभ्यास करें और खान-पान में सावधानी बरतें तो डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं। हम सर्दियों के मौसम को स्वास्थ्यवर्धन का अवसर बना सकते हैं।

घर में ही करें व्यायाम और बनें स्वस्थ व आकर्षक

खोखले दावे करते स्लिमिंग सेंटर आज हरी गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग यहां आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन वह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं। ये व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे- पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम : वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुर्सी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एडियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्वीप करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम : पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुकें फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं। अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे-धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने जननायकों के बलिदान और शौर्य का परिचय नई पीढ़ी से कराया : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश जनजातियों का अपना घर है, जिस ट्राइबल स्टेट भी कहा जाता है। यह उपमा ही हमारे अस्तित्व का सबसे बड़ा अभिनंदन है। जनजातियां, हमारी मुकुट मणियां हैं, यह प्रत्येक मध्यप्रदेशवासी के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। अबुआ दिशुम-अबुआ राज यानी हमारी धरती, हमारा राज। हमारी धरती और संस्कृति ही हमारी पहचान है और इसी पहचान का उत्सव हम सब आज बड़वानी में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने नई पीढ़ी को वीर जननायकों के बलिदान, शौर्य और साहस से परिचित कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को बड़वानी जिले की पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोरतलाई में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम मोरतलाई में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की भव्य आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण किया। साथ ही बड़वानी जिले के लिए 133 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 6 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें 46 करोड़ से अधिक की लागत से तैयार राजपुर से दवाना मार्ग का लोकार्पण और 14 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से सेंधवा में नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन, बलवाड़ी का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर पानसेमल और बारला में उद्वहन सिंचाई परियोजना के विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब क्षेत्र के सभी 51 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए जल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पानसेमल में रेस्टहाउस बनाने और यहीं पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) का कार्यालय (एसडीओपी आफिस) खोलने, टेमला में हायर सेकेंडरी स्कूल खोलने, मोरतलाई के मिडिल स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने एवं रायचूर में उपलब्ध हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रामगढ़ से सापखड़की तक पक्की रोड बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि विकास की बात पर हमें सबका साथ चाहिए। सबके साथ और सहयोग से ही प्रदेश को विकास की ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे जनजातीय भाई-बहनों ने सदैव अपनी माटी और अपनी संस्कृति के लिए जी-जान एक किया है। राजा भभूत सिंह से लेकर रानी अवंतिबाई तक अनेक जनजातीय नायकों की कहानी हमें आश्चर्य से भर देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़वानी आते ही मन जनजातीय रंग में रंग गया है। मैं वीरों की भूमि बड़वानी की माटी से तिलक करता हूं, क्योंकि इस मिट्टी के कण-कण में रण है। यहां की मिट्टी ने भीमा नायक, खाज्या नायक और वीर बिरजू नायक जैसे अमर बलिदानियों को जन्म दिया। इन सभी अमर सपूतों के चरणों में नमन है।

प्रदेश में अधिक से अधिक बनें स्वावलंबी गो-शालाएँ : राज्यमंत्री श्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गो-संरक्षण एवं गो-संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में पहली बार निराश्रित गो-वंश के समुचित पालन-पोषण और गो-शालाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 'स्वावलंबी गो-शाला नीति' बनाई गई है, जिसका पूरे प्रदेश में सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। गो-पालन में समुदाय की भागीदारी बहुत आवश्यक है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने पटिया वाले बाबा स्थान, मुरैना पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और वहां संचालित गो-शाला का निरीक्षण किया।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि गो-शालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अनूठी पहल की है। प्रदेश में स्वावलंबी गो-शालाओं (गोकुल धाम) की स्थापना की नीति-2025 लागू की गई है, जिसमें न्यूनतम 5000 गो-वंश के व्यवस्थापन के लिए राज्य सरकार द्वारा 130 एकड़ तक भूमि गो-शालाओं को उपयोग के लिए दिए जाने को प्रावधान है। इसमें से 5 एकड़ भूमि व्यावसायिक गतिविधियों के लिए दी जाएगी।

6 दिसंबर को 6 शहरों में सीरियल ब्लास्ट की साजिश का बड़ा खुलासा

लखनऊ। दिल्ली धमाके की जांच कर रही एजेंसियों को पूछताछ के दौरान एक बेहद खतरनाक साजिश का पता चला है। मौजूद जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि वे 6 दिसंबर को देश के छह अलग-अलग शहरों में एक साथ विस्फोट करने की तैयारी में थे। बता दें कि 6 दिसंबर बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी का दिन है और आरोपियों का उद्देश्य 1992 की घटना का 'बदला' लेना बताया जा रहा है।

जांच टीमों को यह जानकारी मुख्य रूप से डॉक्टर शहीन शाहिद, उनके भाई डॉक्टर परवेज़ सईद अंसारी और डॉक्टर मुझम्मिल अहमद गणाई से पूछताछ के दौरान मिली है। गौरतलब है कि ये तीनों 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट के मामले में गिरफ्तार किए गए थे और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक मॉड्यूल का हिस्सा बताए जा रहे हैं। पूछताछ में पता चला है कि यह समूह धन जुटाने और हमलों के लिए जरूरी सामान पहुंचाने की तैयारी कर रहा था, जिसे लेकर एजेंसियां अब और गहराई से जांच कर रही हैं।जानकारी के

अनुसार इस मॉड्यूल के कई और सदस्यों डॉक्टर अदील, डॉक्टर मुझम्मिल, मौलवी इरफान अहमद, आरिफ निसार डार, यासिर-उल-अशरफ, मकसूद अहमद और ज़मीर अहमद अहंगर को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इनके जरिए सुरक्षा एजेंसियों को संगठन की कामकाज की पद्धति और वित्तीय नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग मिले हैं।

जांच अधिकारियों ने बताया है कि अब तक कुल नौ लोगों को यूपी, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि यूपी से तीन और लोगों डॉक्टर परवेज़ (लखनऊ), डॉक्टर आरिफ मीर (कानपुर) और डॉक्टर फारूक अहमद डार (हापुड़) को पूछताछ के लिए रोका गया है।

एजेंसियों को जो शुरुआती जानकारी मिली है उसके अनुसार इस मॉड्यूल ने पाँच चरणों वाली एक बड़ी योजना तैयार की थी। पहले चरण में संगठन को खड़ा किया गया और इसके लिए जैश-ए-मोहम्मद और अंसार ग़ज़वतुल-हिंद से जुड़े संपर्कों का इस्तेमाल किया गया। दूसरे चरण में हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम से कच्चा माल और गोला-बारूद जुटाया गया। तीसरे चरण में रासायनिक आधार पर बने आईईडी तैयार किए गए और संभावित स्थानों की रेकी की गई। इसके बाद चौथे चरण में इन बमों को अलग-अलग सदस्यों के बीच बांटा जाना था, जबकि पाँचवां और अंतिम चरण सभी स्थानों पर एक साथ विस्फोट कराना था।

प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को शनिवार को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई जाती है। वर्तमान झारखंड में 1875 में जन्मे मुंडा ने ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और उन्हें आदिवासियों को उसके विरुद्ध संगठित करने का श्रेय दिया जाता है। उनका 25 वर्ष की अल्पायु में ब्रिटिश हिरासत में निधन हो गया था। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी को उनकी 150वीं जयंती पर शत-शत नमन।''

लाल किला विस्फोट : पार्किंग में दाखिल हर वाहन की जांच

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में 13 लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद, सामने आए नए सीसीटीवी फुटेज में लाल किला मेट्रो स्टेशन के अंदर हुए विस्फोट का असर कैद हुआ है। एक मिनट की इस क्लिप में एक व्यक्ति फूड काउंटर पर खाना खा रहा है और कुछ लोग मेट्रो स्टेशन के अंदर टहल रहे हैं। कुछ ही सेकंड में, एक तेज़ धमाका और झटके सुनाई दिए, जिससे लोग दहशत में आ गए। ये तेज़ झटके विस्फोट की तीव्रता का संकेत दे रहे थे। लोग डर के मारे इलाके से बाहर भागने लगे, जबकि एक पुलिस अधिकारी उन्हें रास्ता दिखाते हुए दिखाई दे रहा था।

लाल किले के पास हुए विस्फोट से पहले की घटनाओं के सटीक क्रम का पता लगाने का प्रयास करते हुए जांचकर्ताओं ने उस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की एक विस्तृत

सूची तैयार की है, जहां विस्फोट में शामिल कार तीन घंटे तक खड़ी रही थी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता इन वाहनों की पंजीकरण संख्या का पता लगा रहे हैं और इनके चालकों एवं मालिकों से इस बारे में पूछताछ कर रहे हैं कि क्या उन्होंने हरियाणा में पंजीकृत उस हुंदै आई20 को देखा था जो विस्फोट में शामिल थी। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने विस्फोट के पीछे की गहरी साजिश की जांच के लिए आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत एक अलग प्राथमिकी दर्ज की है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत पहले दर्ज की गई प्राथमिकी को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को स्थानांतरित कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में शामिल कार के चालक डॉ. उमर नबी ने सोमवार को जब उसे पार्किंग स्थल में खड़ा किया था तब उसके आस-पास कई गाड़ियां खड़ी थीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक समीर खान के द्वारा राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 105, लाला भाई मंजिल, 39-40 न्यू अली कॉलोनी खजराना, इंदौर से प्रकाशित। संपादक-समीर खान* (9424018786), सह-संपादकः अदनान अली (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)
Email : sameer18786@gmail.com (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)